विचार प्रवाह

एक पाती दिल से : स्नेहिल युवा पीढ़ी

आप सब विविधता? और बदलाव के चितेरे हैं। एक ही काम से, एक ही तरीके से, एक जैसे माहौल से जल्द ही उकता जाते हैं। नये को प्रणाम और? पुराने को दूर का सलाम?..जी हाँ आप सबके मन की बात ही कह रहे हैं। पर जरा रूको, देखो और समझो तो हमारा देश तो विविधताओं का ऐसा अकूत भंडार है कि? खाएं नही खूंटे यानि समाप्त न हो।

रंगीला तो ऐसा कि हर रंग अपने कितने ही शेड्स में हर कोने में बहार लाता है। कश्मीर? से कन्याकुमारी तक और गुजरात से बंगाल तक धरती और? आकाश भी अलग रंगों के हैं। अब बात करें उत्सवों और त्योहारों की तो आप लोग देखे और समझें तो अपनी लोक संस्कृति और धार्मिक उत्सवों को पास से देखोगे तो कहानियों के अंदर अंतर कहानियाँ गूंथी हुई हैं। हर त्योहार अपना रंग, अपना ढ़ंग और आनंद के साथ सामंजस्य की कहानी लाता है। होली ,राखी, दिवाली, बिहू, बैसाखी, सावन, पोंगल , नवरात्रि, दुर्गा पूजा, कार्तिक स्नान, गोगा देव पूजन, क्रिसमिस, जगन्नाथ रथ यात्रा, राम लीला, कृष्ण जन्म उत्सव, गुरू नानक जयंती आदि आदि। मैं नाम लिखने लगूँ तो पूरी रामायण हो जाएगी।

अब आप मत कहना कि हम युवा हैं हमें क्या??सो बोरिंग! कुछ भी? सादा या उदासीन नहीं है। सावन से पहले हरे - हरे वृक्ष, फूल, मिट्टी की खुशबू, बरसात में करो रेन -डांस । पेड़ पर रस्सी का झूला बनकर करो मस्ती। बाजार में सावन में जो लहरिया के अनेक प्रकार के डिजाइनर कपड़े मिलते हैं उन्हें पहनो। राखी की कहानी को नये अंदाज में सुनो और घर की बूढ़ी बुआ जब सवैया बनाए तो देखो कितनी यम्मी लगती है।

नूडल्स की अम्मा है वो और पौष्टिक भी।बहन के साथ सुख दुख?? बांटो। कलाई पर जो मौली का धागा बांधा जाता है वो भी कलाई के प्रेशर पाइंट को दबाता है। फ्रेंडशिप बैंड बांधते हो तो मौली क्यों नहीं। जरा सोचो बात वही है बस विदेश का ठप्पा लगा है।

लोक त्योहार हमें जीना सिखाते हैं। श्राद्ध पक्ष पितरों का महत्व, पुरखों की याद को पुनः जीवित करता है। सभी का वैज्ञानिक महत्व है। अपने गुगल बाबा से पूछ लेना। हवन, पूजा, हाथ धोकर भोजन, पैर धोकर सोना, सूरज को जल देना, हाथ से भोजन करना,? चप्पल स्लोई से बाहर। अरे अभी तो करोना गुजरा है। पुरानी बातों ने ही हमें बचाया है। कार्तिक माह का प्रातः स्नान शरीर को ऊर्जा देता है। एक लोटा ठंडा पानी और सर्दी गायब। अब करो व्यायाम। ठंडा खाना शीतला अष्टमी पर वैज्ञानिक सत्य है कि इसमें अच्छे बैक्टीरिया होते हैं। पता लगा लो।

कथाओं के भीतर जो विज्ञान है उसे जानो। ऐ,आई .से पहले स्मरण शक्ति , मानसिक और शारीरिक बल के लिए योग हमे रक्ष में है जिसे आप की पीढ़ी योगा कहती हैं।नाम नये रख दिए, वाटर योगा, एयर योगा, बलून योगा आदि।

धर्म का अर्थ ढ़ोंग नहीं सत्कर्म है। धर्म को हम धारण करते हैं।

तो जेन झी नहीं जी अल्फा? झी जुड़े लोक रंग, लोक गीत, लोक जीवन, लोकोक्तियां नृत्य और पाओ परमानंद।

हमारी संस्कृति हमें नवीनीकरण का मौका देती है।

जरूरी है तो आप सबका हम सबके साथ मिलकर रंगों को, रागों को, अंतरनिहित अर्थों को समझना। हाँ जहाँ सकारात्मक बदलाव करना है तो बताएं। बहुत सारा प्यार

नीना छिब्बर, जोधपुर

पानी में उगने वाली ड्रग्स को लेकर डीआरआई टीम ने किया दो को गिरफ्तार

रेव पार्टियों के लिए होती थी सबसे ज्यादा डिमांड

इंदौर। मध्य प्रदेश में लगातार नशीली ड्रग्स की खेप पकड़ी जा रही है। कहीं ड्रग्स की फैक्ट्री मिल रही है तो कहीं विदेशी सप्लायर इसे प्रदेश में खपा रहे हैं। वहीं अब भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक ऐसी ड्रग पकड़ी गई है, जो पानी में उगती है। रेव पार्टियों में इस्तेमाल होने वाली ये गांजे की एक महंगी किस्म की ड्रग है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ रुपए किलो है। इसे देखते हुए लोग कह रहे हैं कि उड़ता पंजाब के बाद कहीं यह उड़ता मध्य प्रदेश की निशानी तो नहीं है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई भी केंद्र सरकार की एजेंसी डीआरआई द्वारा भोपाल और बेंगलुरू में एक साथ की गई है। बताया जा रहा है कि पकड़ी गई ड्रग्स पानी में उगने वाला विदेशी गांजा है जिसे हाइड्रोपोनिक वीड के नाम से जाना जाता है। डीआरआई के अफसरों ने भोपाल जंक्शन पर दो आरोपियों के पास से 24.186 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया है। डीआरआई की टीम ने यह कार्रवाई 20 अगस्त को बेंगलुरु और भोपाल स्टेशन पर एक साथ की, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। बेंगलुरु में 29.88 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की है।

उड़ता पंजाब के बाद कहीं यह उड़ता मध्य प्रदेश तो नहीं?

रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि डीआरआई ने ऑपरेशन वीड आउट चलाकर तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया। तस्करों के मास्टरमाइंड आरोपी सहित पांच यात्रियों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह सोशल मीडिया के जरिए कॉलेज ड्रॉप आउट, अंशकालिक नौकरी पेशा या बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाते थे।

डीआरआई की टीम ने राजधानी एक्सप्रेस में सवार दो यात्रियों के सामान की तलाशी ली थी। बेंगलुरु में 29.88 किग्रा हाइड्रोपोनिक वीड मिला। साथ ही एक टीम ने 19 अगस्त 2025 को बेंगलुरु से राजधानी ट्रेन में सवार हुए 2 यात्रियों से भोपाल जंक्शन पर पकड़ा था। इस बीच गिरोह के सहयोगी मास्टरमाइंड का नई दिल्ली में पता चला। उसके कब्जे से 1.02 करोड़ रुपए की मादक पदार्थों की तस्करी की राशि बरामद की गई। भोपाल में हुई जांच के बाद 20 अगस्त को थाईलैंड से बेंगलुरु पहुंचे एक यात्री को 21 अगस्त की सुबह बेंगलुरु के एक होटल में रोका गया। उससे 17.958 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड मिला। विशेषज्ञों के मुताबिक हाइड्रोपोनिक वीड जिसे मरिजुआना भी कहते हैं। यह गांजे की एक वैरायटी है जो कि हाइड्रोपोनिक तकनीक से समुद्री पानी में उगती है। यह भारत में जमीन में उगने वाले पारंपरिक गांजे से ज्यादा नशीला होता है। इसकी कीमत भी पारंपरिक गांजा से कई गुना ज्यादा है। इसकी मांग रेव पार्टियों में ज्यादा होती है। ये वीड थाईलैंड, कनाडा, यूएसए में उगाई जाती है, इसलिए फ्लाइट में पार्सल के जरिए ही इसकी सप्लाई होती है।

ऑर्थोपेडिक और स्पोर्ट्स इंजरी रिहैबिलिटेशन सेंटर की शुरुआत

इंदौर। देवास नाका स्थित आईओसीआई-सीएचएल हॉस्पिटल 114, देवास नाका, इंदौर में शनिवार को ऑर्थोपेडिक विभाग और स्पोर्ट्स इंजरी, फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर की शुरुआत की गई।

इसका उद्घाटन प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर और एथलीट सुश्री भाग्यश्री सावंत ने किया।

कार्यक्रम में एन. सी. मारू (ट्रस्टी एवं समाजसेवी), डॉ. विनय तंन्तुवे (डायरेक्टर एवं एचओडी - ऑर्थोपेडिक्स) और डॉ. पी.के. शर्मा (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, आईओसीआई इंडिया) विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कई खिलाड़ी भी शामिल हुए और नए सेंटर की सुविधाओं की सराहना की ।

डॉ. विनय तंन्तुवे (डायरेक्टर एवं एचओडी - ऑर्थोपेडिक्स) ने कहा यह नया सेंटर इंदौर और पूरे मध्यप्रदेश में खेल संबंधी चोटों और हड्डी-जोड़ों के इलाज के लिए बेहद मददगार साबित होगा। यहाँ आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम मरीजों को बेहतरीन इलाज देगी।

डॉ. पी.के. शर्मा (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, आईओसीआई इंडिया) ने कहा ङ्क÷हम इस सेंटर में रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर खास ध्यान देंगे।

डॉ, रौनक मारू (कार्डियक सर्जन एवं ट्रस्टी) ने कहा ङ्क÷यह सेंटर इंदौर ही नहीं बल्कि पूरे मध्यभारत के लिए फायदेमंद होगी।

कार्यक्रम का संचालन रितेंद्र सिंह तोमर (रीजनल हेड ङ्क आईओसीआई) के मार्गदर्शन में किया गया ।

गृह शांति, व्यापार व्यवसाय में वृद्धि और पितृ मोक्ष हेतु तीन दिवसीय श्री गणेश महापुराण

इंदौर । श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण युवा परिषद और श्री चिंताहरण गणेश भक्त मंडल द्वारा 29 - 30 - 31 अगस्त को सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. नितिन तिवारी जी महाराज उज्जैन वालों के मुखारबिंद से तीन दिवसीय श्री गणेश महापुराण का आयोजन वैभव नगर स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में किया जा रहा है जिसमें गृह शांति, व्यापार व्यवसाय में वृद्धि और पितृ मोक्ष प्रार्थना श्री चिंताहरण गणेश से की जाएगी ।

प्रदेश अध्यक्ष पं. आदित्य उपाध्याय , राकेश जोशी और रंजना पाठक ने बताया कि श्री गणेश चतुर्थी के पवित्र पावन दिनों में आयोजित तीन दिवसीय श्री गणेश महापुराण में श्री चिंताहरण गणेश की महिमा और भक्तों के कल्याण हेतु किए गए चमत्कारों के प्रसंगों को कथाव्यास द्वारा बड़े ही रोचक तरीके से भक्तों को श्रवण कराया जाएगा।

ऋतु जोशी, मनीष जोशी और ऋषभ दुबे ने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम 4 से 7 रहेगी ।वही, आयोजन को लेकर तैयारियां पूर्ण हो चुकी है । आशीष जोशी और वैभव दुबे ने बताया कि आयोजन में महिलाएं और युवा घर घर जाकर भक्तों को निमंत्रण दे रहे है ।

तैलिक समाज का आज युवक युवती परिचय सम्मेलन

इंदौर (देवेंद्र साहू)तैलिक साहू राठौर महासभा मध्य प्रदेश के तत्वाधान में अखिल भारतीय स्तर पर मां अहिल्या देवी की पावन नगरी इंदौर के रेस कोर्स रोड स्थित अभय प्रशाल में आज युवक - युवती परिचय सम्मेलन रखा गया है। जिसमें कई प्रदेशों के तैलिक समाज के मंत्री, सांसद, विधायक व पार्षद, सरपंच एवं अन्य पदाधिकारीगण भी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय रहेंगे । इस कार्यक्रम में भारतवर्ष के सभी प्रदेशों से करीब 1000 युवक युवतियों ने अपना बायोडाटा स्मारिका में प्रकाशित करने को दिया है जो की वहां कार्यक्रम के मंच पर अपना परिचय भी देंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से तैलीक समाज की कुलदेवी मां कर्मा देवी को माल्यार्पण कर पूजा अर्चना करने के तुरंत बाद कार्यक्रम शुरू किया जाएगा जो कि शाम को 5 बजे तक चलेगा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैलिक समाज के कार्यकर्ता पिछले 6 माह से लगातार मेहनत कर रहे थे जिससे कि कार्यक्रम को सफल बना सके । इस कार्यक्रम की सराहना पूरे भारतवर्ष के तैलिक समाज में हो रही है इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारीगणों द्वारा समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों से पधारने की अपील की है। कार्यक्रम में सहयोगी सदस्यों का सपत्नीक सम्मान किया जाएगा एवं स्मारिका कर्मा जीवन बंधन 2025 का विमोचन भी किया जाएगा।उक्त जानकारी तैलिक साहू राठौर महासभा मध्य प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष एवं सकल पंच साहू वैश्य बाथली समाज सिलावटपुरा इंदौर की अध्यक्ष एडवोकेट श्रीमती भावना सुरेश साहू ने दी।

खाद्य तेल उत्पादन में पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा देने की पहल

इंदौर। भारत के खाद्य तेल क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अग्रणी उद्योग संघ, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी निकायों और नागरिक समाज संगठनों ने मिलकरनेशनल एलायंस फॉर रीजेनेरेटिव वेजिटेबल ऑयल सेक्टर (नारवोस)का गठन भोपाल में किया है।

कार्यक्रम में साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशनऑफ इंडिया ने अपने 800 सदस्य कंपनियों के साथ मिलकर पुनर्योजी उत्पादों की खरीद (बायबैक) के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा की।सॉलिडरिडाड द्वारा संचालित यह मंच पुनर्योजी कृषि को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगा, जिससे मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा, उत्पादकता बढ़ेगी और किसान जलवायु परिवर्तन से बेहतर तरीके से निपट सकेंगे। यह पहलईयू भारत साझेदारीके अंतर्गत शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य जलवायु लचीली खाद्य प्रणालियों, टिकाऊ मूल्य श्रृंखला और किसान केन्द्रित नवाचारों को प्रोत्साहित करना है। इस गठबंधन मेंसॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (स्श्व), ए.डब्ल्यू.एलएग्री बिजनस,सोपाऔरभारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (ढ्ढद्धस्स्)जैसे प्रमुख निकाय शामिल हैं। यह पहल भारत की खाद्य तेल आयात पर निर्भरता घटाने, किसानों की आजीविका सुधारने और देश को टिकाऊ वनस्पति तेलों में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। श्री अंशु मलिक, उपाध्यक्ष, सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडियाने कहा भारत अपने खाद्य तेल क्षेत्र की यात्रा के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के विशेष सलाहकार अतुल चतुर्वेदी ने बताया किआज समय की मांग है कि हमें किसानों का उत्पादन तो बढ़ाना ही है साथ ही खेती को लंबे समय तक टिकाऊ बनाने और मिट्टी को उपजाऊ रखने के उपाये भी सोचने होंगे। डॉ. मनोरंजन मोहंती, निदेशक, आईआईएसएस ने कहा-÷आज कृषि क्षेत्र में मृदा स्वास्थ्य सबसे गंभीर चिंता है। डॉ. सुरेश मोटवानी, कार्यक्रम संयोजक सॉलिडरिडाड ने बताया कि ÷पुनर्योजी कृषि केवल एक पद्धति नहीं है, बल्कि यह खेती का एक दर्शन है, जो प्रकृति के साथ मिलकर काम करता है, उसके विरुद्ध नहीं। लंबे समय तक हमारी कृषि प्रणाली ने अल्पकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप मृदा का ह्रास, बढ़ती लागत और जलवायु जोखिम सामने आए, जिनका सबसे अधिक खामियाज़ा हमारे किसानों को भुगतना पड़ा। डॉ. बी.वी. मेहता, कार्यकारी निदेशक सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा- भारतीय वनस्पति तेल क्षेत्र हमारे खाद्य अर्थतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन आज भी इसमें माँग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। विजया दाता, अध्यक्ष, एसईए-रेप मस्टर्ड प्रमोशन कार्डसिल÷सरसों भारत की प्रमुख तिलहन फसल है, जिसे मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के लाखों लघु किसान उगाते हैं।

पालदा के राजा की 25 फीट ऊंची प्रतिमा, 100 फीट चौड़े 120 फीट लंबे तथा 31 फीट ऊंचे पंडाल में बिराजेगी

इन्दौर। मुंबई के लालबाग के राजा की तर्ज पर इन्दौर के पालदा में भी प्रति वर्ष गणेशोत्सव के दौरान मंगलमूर्ति की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाती हैं। उसी परम्परागत रूप में इस बार भी पालदा के राजा की 25 फीट ऊंची प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा और उन्हें 500 किलो मोतीचूर के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा।

मालवा कला अकादमी के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया कि शहर के पालदा में मुंबई की तर्ज पर गणेशोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार भी मुंबई के लालबाग के राजा की तर्ज पर यह आयोजन किया जाएगा। अकादमी द्वारा गणेशोत्सव का यह 38वां वर्ष है।

इंदौर में पहली बार मुंबई की गणेशोत्सव संस्कृति की तर्ज पर यहीं से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। वर्मा ने बताया कि इस बार भी मुंबई से बनकर आ रही मंगलमूर्ति की 25 फीट ऊंची प्रतिमा के लिए 100 फीट चौड़ा, 120 फीट लंबा पंडाल बनाया जा रहा है, जो 31 फीट ऊंचा रहेगा।

चलते-चलते

श्रीकृष्ण का शत्रुबोध और महाभारत

महाभारत का युद्ध केवल कुरुक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा।

जीवन के हर क्षेत्र में वह युद्ध अब भी चलता है–कभी राजनीति में, कभी समाज में और कभी-कभी हमारी अपनी सोसाइटी की मीटिंग रूम में भी।

श्रीकृष्ण ने चार सूत्र दिए थे–

1 आत्मबोध,
2 शत्रुबोध,
3 युद्धस्थल का ज्ञान,
4 व्यूह रचना।

इन्हीं चारों से पांडवों को विजय मिली।

पर हमारी सोसाइटी की समिति और अध्यक्ष को देखिए–यहाँ चारों भूल गए और पाँचवीं चीज़ पकड़ ली–

जुगाड़ बोध।

अध्यक्ष जी की कार्यशैली बनाम श्रीकृष्ण

कृष्ण तो सारथी बनकर भी पूरी महाभारत की डोर अपने हाथों में रखते थे।

हमारे अध्यक्ष जी सिंहासन पर बैठकर भी समिति के हाथों की कठपुतली बने रहते हैं।

जहाँ कृष्ण ने पांडवों को जीत दिलाई, वहाँ हमारे अध्यक्ष जी कौरव सेना की टोली के साथ मिलकर निवासियों को हर रोज़ परेशान करते हैं।

कृष्ण कहते थे–कर्तव्य सर्वोपरि।

हमारे अध्यक्ष कहते हैं–जो कह दिया, वही अंतिम।

कृष्ण ने सबका विश्वास जीता, हमारे अध्यक्ष ने केवल समिति के कुछ खास सदस्यों का।

जरासंध और सिक्योरिटी एजेंसी का बायपास

भीम जरासंध को इसलिए नहीं मार पाए क्योंकि वे उसकी जन्मकथा नहीं जानते थे।

हमारी सोसाइटी में भी कई जरासंध हैं।

सिक्योरिटी एजेंसी का चयन नियमों को बायपास करके किया गया।

टेंडर की पारदर्शिता गायब।

निवासियों की राय पूछना तो मानो अपराध हो।

जब सवाल पूछो तो उत्तर मिलता है–हमें अनुभव है, आप लोग समझ नहीं सकते।

वाह! अनुभव अगर इतना ही है तो सुरक्षा कर्मी बदलते ही क्यों रहते हैं?

बरसात में रंगाई-पुताई- पैसा है तो उड़ाओ

बरसात के मौसम में दीवार पेंट करने वाला या तो मासूम होगा या फिरज समिति का सदस्य।

हमारी सोसाइटी में यही हुआ–

बरसात के बीच पेंटिंग करवा दी गई क्योंकि अकाउंट में पैसा पड़ा था।

तर्क यह कि अगर अभी खर्च नहीं किया तो लोग पूछेंगे पैसा पड़ा क्यों है।

परिणाम यह कि रंग बहकर नालियों में चला गया, और निवासियों के गुस्से का रंग चेहरे पर चढ़ गया।

कॉर्पस फंड का करिश्मा

श्रीकृष्ण ने कालयवन को हराने के लिए बिना सेना गंवाए उपाय निकाला था।

हमारे महारथी समिति सदस्य सोचते हैं–बिना तरूपूछे कॉर्पस फंड खर्च कर दो।

जब आपत्ति उठाओ तो जवाब मिलता है–ये आपके भले के लिए किया है।

सवाल यह है–भला किसका? सोसाइटी का या समिति का?

गुप्त सभा और मिनिट्स ऑफ मीटिंग

महाभारत में दुर्योधन की सभा मशहूर थी–गुप्त निर्णय, अंधा समर्थन और ज़िद।

हमारी सोसाइटी की मीटिंग भी उसी की आधुनिक कॉपी है।

मिनिट्स ऑफ मीटिंग ऐसे गायब रहते हैं मानो किसी तिजोरी में बंद हों।

निवासी पूछें तो कहा जाता है–÷आपको जानने की जरूरत नहीं।÷

यानी पैसा आपका, बिल्डिंग आपकी, लेकिन फैसले हमारे।

रणछोड़ बनाम भागना

श्रीकृष्ण रणछोड़ बने तो भी कालयवन का वध करवा दिया।

हमारे अध्यक्ष जी सवालों से बचने के लिए बैठक छोड़कर भाग जाते हैं।

फर्क बस इतना है–कृष्ण का भागना रणनीति था, हमारे अध्यक्ष का भागना जिम्मेदारी से।

समिति के महारथी और उनकी दुर्बलताएँ

महाभारत में हर महारथी की कमजोरी थी–भीष्म, शिखंडी के सामने शस्त्र नहीं उठाते।

द्रोणाचार्य, अश्वत्थामा पर आश्रित।

कर्ण, कवच-कुंडल में बंधे।

दुर्योधन, जंघा की कमजोरी से हारे।

हमारी सोसाइटी के महारथी भी कुछ अलग नहीं–

कोई रिश्तेदारी निभाने के लिए गलत का समर्थन करता है।

कोई निजी लाभ के लिए निर्णय बदल देता है।

कोई कुर्सी बचाने के लिए खामोश रह जाता है।

कोई बिना पढ़े ही फाइल पर ÷अप्रूव्ड÷ लिख देता है।

निवासियों का मौन और कृष्ण की सीख

महाभारत के अंत में बर्बरीक ने कहा था–÷युद्ध में कोई नहीं लड़ रहा था, केवल श्रीकृष्ण ही सब कर रहे थे।÷

आज हमारी सोसाइटी में भी यही सच है–

निर्णय समिति के हाथों में है और निवासी चुपचाप तमाशबीन बने हैं।

कृष्ण ने हमें आत्मबोध और शत्रुबोध का महत्व बताया था।

हमारी सोसाइटी में भी यही ज़रूरत है–

हमें अपनी ताकत पहचाननी होगी,

समिति की चालों को समझना होगा,

और सही समय पर आवाज़ उठानी होगी।

अगर हम चुप रहे तो इतिहास यही लिखेगा–

सोसाइटी के लोग तो चुप बैठे रहे, अध्यक्ष और उसकी कौरव सेना मनमानी करती रही।

इस जन्माष्टमी पर हमें कृष्ण से यह सीख लेनी है कि–

नियमों का ज्ञान रखो,

गलतियों पर नज़र रखो,

और सच के लिए समय पर आवाज़ उठाओ।

अजय कुमार बियानी